www.pdgroup.in
E-mail : publisher@pdgroup.in
वर्ष 35 दशम् अंक
मई 2022

सामान्य ज्ञान दर्पण

इस अंक में...

5 सम्पादकीय
7 समसामयिक सामान्य ज्ञान
11 आर्थिक परिदृश्य
17 राष्ट्रीय परिदृश्य

22 अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य
26 क्रीड़ा जगत्
30 समसामयिक महत्वपूर्ण तथ्य
31 अनुप्रेरक युवा प्रतिभा

32 विज्ञान समाचार
34 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न
36 सारभूत तत्व कोष

लेख

39 **बजटीय लेख**— कृषि, किसान तथा ग्रामीण विकास के लिए संघीय बजट 2022-23
41 **आर्थिक और वाणिज्यिक लेख**—सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम की भावी दिशा
42 **सामाजिक लेख**—संकट में आधी आबादी का श्रम-बल
43 **सामरिक लेख**—असाधारण विशेषताओं से सम्पन्न है तेजस लड़ाकू विमान
44 **प्रतिरक्षा लेख**—समुद्री सीमाओं का सशक्त प्रहरी है भारतीय तटरक्षक बल
46 **अंतरिक्ष लेख**—अंतरिक्ष शोध में बढ़ती प्रतिस्पर्धा
47 **कृषि लेख**— भारत में जलवायु स्मार्ट खेती: वर्तमान और भविष्य
50 कॅरियर सलाह

हल प्रश्न-पत्र

53 एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय (टियर-I) भर्ती परीक्षा, 2020
62 एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) लेवल (टियर-I) परीक्षा, 2020
71 आर.आर.बी. एनटीपीसी (प्रथम चरण) परीक्षा, 2019
80 राजस्थान पटवार (द्वितीय पाली) भर्ती परीक्षा, 2021
90 उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग समूह 'ग' जूनियर असिस्टेंट कर संग्राहक आदि परीक्षा, 2021
95 एस.एस.सी. स्टेनोग्राफर ग्रेड 'C' & 'D' भर्ती परीक्षा, 2020

मॉडल हल प्रश्न-पत्र

109 उत्तर प्रदेश राजस्व लेखपाल परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
114 आगामी स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया (पी.ओ.) मुख्य परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

विविध/सामान्य

125 वर्षांत समीक्षा 2021—नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
128 क्या आप परिचित हैं ?
129 रोजगार समाचार

सामान्य ज्ञान दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. **-सम्पादक**

सम्पादकीय

भविष्य के प्रति उत्साहित रहिए

"You are always free to change your mind and choose a different future, or a different past."

— Richard Bach

एक व्यक्ति अपनी नई मोटरकार में बैठकर अपने मित्र के घर पहुँचा. बातचीत के मध्य उसने अपने मित्र से कहा—

''यह मोटर मेरे छोटे भाई ने मुझे भेंट की है.'' मित्र के कुछ कहने के पूर्व उनका 12 वर्षीय बेटा बोल पड़ा ''बड़ा होकर मैं भी अपने भाई साहब को ऐसी ही मोटरकार भेंट करूँगा.'' दोनों मित्र बालक का मुँह देखते रह गए. इसलिए नहीं कि वह बालक छोटे मुँह बड़ी बात कह रहा था, बल्कि इसलिए कि वह अवस्था में कम होता हुआ बड़ी बात कह रहा था. उसने बड़े भाई को मोटर देने की बात सोची थी, उसने यह नहीं सोचा था कि क्या उसका भी छोटा भाई कभी उसको ऐसी मोटर दे सकेगा? सामान्यतः लोग इसी प्रकार सोचते हैं.

आप सहमत होंगे कि बालक अपने भविष्य के प्रति अत्यन्त उत्साहित एवं आश्वस्त रहा होगा. उसके मन में कम-से-कम न याचना वृत्ति यानी दीनता रही होगी और न परावलम्बी बनने की आशंका छिपी होगी. यदि हम चार आँखें खोलकर देखें, तो विदित होगा कि हमारे समाज में निर्धन व्यक्तियों की अपेक्षा दीन व्यक्तियों की संख्या अधिक है. व्यक्तिगत रूप में लोग निःशुल्क पढ़ाई, इलाज आदि से लेकर मुफ्त यात्रा, बिना टिकट सिनेमा आदि देखने के लिए लालायित देखे जाते हैं. सामूहिक स्तर पर आरक्षण प्राप्त करने के लिए आग्रह करते देखे जाते हैं. कहने का तात्पर्य यह है कि जो लोग सदैव लेने की बात करते हैं, वे यदि उपर्युक्त बालक की तरह 'देने' की विचारधारा पल्लवित कर सकें, तो समस्त सामाजिक वातावरण ही बदल जाए.

उस बालक ने अपने भविष्य की पुस्तक में निश्चित रूप से एक स्वर्णिम, एक सुखद एवं श्रेष्ठ पृष्ठ जोड़ दिया था. स्पष्ट है कि हमारे जीवन में घटित होने वाली घटनाएं नहीं, बल्कि उनके प्रति हमारी प्रतिक्रियाएं हमारे भविष्य का निर्माण करती हैं. दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि जीवन का प्रत्येक क्षण भविष्य-निर्माण के लिए कुछ निवेश करने का अवसर प्रदान करता है. ऐसा करते हुए हम अतीत की केंचुल से मुक्ति पाकर वर्तमान में रहने का अभ्यास करते हैं. ऐसा करते हुए हमारा जीवन चिर नवीन एवं जीवंत बना रहता है.